जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई - 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 250 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | अप्रैल 2019

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

महापुरूषों की वाणी, सदा बनी कल्याणी

प्रिय बहनों,

जीवन एक महान यात्रा का नाम है, परन्तु इसके साथ यह समस्या जुड़ी हुई है कि इसका कोई नक्शा नहीं होता। हमें मंजिल तक पहुँचने के लिए खुद ही अपना रास्ता तलाशना होता है। आधुनिक टेक्नोलॉजी के इस युग में देश विदेश की यात्रा के लिए Google Map बड़ी आसानी से रास्ते तलाश देता है और मंजिल तक पहुँचा देता है। मगर मनुष्य के जीवन की यात्रा के संभवतः दो पथ दिखाई देते हैं। एक पथ ऐसा जिस पर चलने से क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, मोह आदि तत्व जीवन को अंधेरी राहों में धकेल देते हैं। दूसरा पथ ऐसा जिस पर कदम बढ़ाने से प्रेम, स्नेह, अपनत्व, शांति, सौहार्द, सदाचार, नैतिकता, प्रामाणिकता आदि घटक जीवन को उजालों से भर देते हैं। चूंकि मनुष्य स्वभावतः एक-दूसरे से अलग होता है। जिस प्रकार एक जैसी जमीन, हवा, पानी, धूप व माली के सरंक्षण में पल्लवित पुष्पित होने के बावजूद भी गुलाब और नीम की गंध विपरीत है क्योंकि गुलाब का बीज पृथ्वी से सुगंध और नीम का बीज पृथ्वी से कड़वाहट का चुनाव करता है। अर्थात् यह उनके ग्रहण करने की क्षमता पर निर्भर करता है। ठीक इसी तरह एक परिवार, एक समाज और एक राष्ट्र में रहने के बावजूद भी मनुष्य का स्वभाव अलग-अलग होने के कारण वो अलग-अलग पथ का चुनाव करता है। अब प्रश्न होता है कि सही पथ का चुनाव करें कैसे ? समाधान की खोज में यदि अतीत के इतिहास का अवलोकन करते हैं तो संसार के समस्त महापुरूषों की तस्वीर स्मृति पटल पर अंकित हो जाती है।

महापुरुषों की वाणी हमारे लिए सदैव कल्याणी रही है। उनकी वाणी हमें प्रेरणा देती है, सही राह का चयन करने की। सहायक बनती है सही मार्ग पर आगे बढ़ने में। सुरक्षा कवच बनती है मंजिल तक पहुँचने में, बशर्ते चलना हमें ही होगा। महापुरुषों ने हमेशा हमारा पथ प्रशस्त किया है। संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने कभी मनुष्यों को यह नहीं कहा कि तुम हमारे चरणों में बैठे रहो। हमारी ही स्तुति और प्रार्थना करते रहो, हम तुम्हारा कल्याण कर देंगे, हम तुम्हें मुक्ति दिला देंगे। उन्होंने तो सदा यही कहा है कि तुम चलो, मेरी तरह बनो क्योंकि मैं तो सिर्फ तुम्हें मार्ग बता सकता हूँ, चलना तो तुम्हें स्वयं होगा। बहनों ! अप्रैल माह में हिन्दु मराठी नववर्ष ''गुडी पाडवा'' से लेकर ''रामनवमी'' तक का नवरात्रि का पवित्र पावन अवसर हमारे सामने हैं। एक ओर भगवान महावीर की 2618 वीं जन्म जयंती है तो दूसरी ओर आचार्य श्री भिक्षु का 260 वाँ अभिनिष्क्रमण दिवस और आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का दसवां महाप्रयाण दिवस। भगवान महावीर को इस धरती पर अवतरित हुए 26 शताब्दी बीत चुकी है फिर भी आज उनके सिद्धान्त उतने ही प्रासंगिक है। विडम्बना की बात तो यह है कि भगवान महावीर को तो आज भी हम मानते हैं मगर महावीर की नहीं मानते इसलिए सिर्फ गीत गाते रहते हैं कि, **''जिसकी आज जरूरत उसने क्यों पहले अवतार लिया''**। भौतिकता की चकाचौंध में हम भूल गए हैं कि वो हमें सही राह दिखा कर गए हैं पर चलना तो स्वयं पडेगा। उन्होंने कहा कि यदि मानव के मन में धर्म की ज्योति नहीं है, चिंतन में धर्म की चिंगारी नहीं है तो उसके आचार में, उसकी साधना में, उसके क्रिया

अध्यक्षीय

काण्ड में धर्म अवतरित नहीं हो सकता। महावीर जयंती के अवसर पर हम संकल्प करें कि उनकी वाणी को हम जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे।

26 शताब्दी पूर्व जो पथ भगवान महावीर ने प्रशस्त किया उसे क्रांतिकारी वीर भिक्षु ने 26 दशक पूर्व आत्मसात् किया और सत्यक्रांति का सूत्रपात करते हुए धर्मक्रांति के पथ पर अग्रसर हुए। नए पथ में आनेवाले भीषण संघर्षों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ते गए क्योंकि उन्हें वीतराग वाणी पर न केवल आस्था और श्रद्धा थी अपितु पूर्णतया समर्पण के भाव भी थे। इसलिए उन्होंने धर्म क्रांति का झंडा उठाया और नए संकल्प के साथ नई दिशा में प्रस्थान कर दिया। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक बनकर धर्मसंघ में बीमारी होने से पहले ही उसे स्वस्थ रखने का उपाय खोजा और रोग के मूल को उन्मूलित करने के लिए एक संविधान का निर्माण किया। संयोग की बात है कि इस माह धर्मक्रांति का बिगुल बजाने वाले आचार्य भिक्षु का अभिनिष्क्रमण दिवस एवं देश के संविधान का निर्माण करने वाले डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती एक ही दिन है। संविधान की जहाँ तक बात है, हम सभी इस बात के साक्षी है कि लगभग 24 दशक पूर्व आचार्य भिक्षु ने जिस संविधान का निर्माण किया, उसमें अब तक संभवतः किसी भी धारा में कोई परिवर्तन या संशोधन की अपेक्षा महसूस नहीं हुई जबकि देश के संविधान में लगभग सात दशक में ही न जाने कितनी बार संशोधन हो चुका। यह आचार्य भिक्षु की अन्तर्दृष्टि एवं जागृत प्रज्ञा का ही परिणाम है। ऐसे विलक्षण आचार्य को श्रद्धा से नमन करते हुए हमारा सीना गर्व से फूल जाता है।

आचार्य भिक्षु ने जिन सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया उस पर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर आगे बढ़ने वाले एक से एक यशस्वी आचार्य तेरापंथ धर्मसंघ में हुए हैं उनमें एक है दशम अधिशास्ता कालजयी महर्षि आचार्यश्री महाप्रज्ञजी जिनका नाम संसार के उच्च कोटि के महापुरुषों की श्रेणी में बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है। बहिनों! प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के दसवें महाप्रयाण दिवस पर उनके जीवन का अनुभूत सत्य **''रहो भीतर, जीओ बाहर''** को जीने का प्रयास करें। वर्तमान युग में बहनों, ऐसा जीवन जीना मुश्किल जरूर है, नामुमकिन नहीं क्योंकि कामयाब व्यक्ति की डिक्शनरी में ''No'' शब्द नहीं होता है। हम निरंतर यह अनुप्रेक्षा करें कि ''Nothing is impossible, It is difficult but it is possible'' असंभव को संभव बनाने के लिए सतत पुरुषार्थ की प्रेरणा देती है महापुरुषों की वाणी। तीर्थंकरों की वाणी, गणधरों की वाणी और गुरु का उपदेश अपने स्वरूप की उपलब्धि में सहायक सिद्ध हो सकता है। श्रुत, शास्त्र, आगम और सूत्र हमारी साधना के आलम्बन हैं, पथ निर्देशक है, गंतव्य पथ के भव्य संकेत है और सही दिशा सूचक प्रकाश स्तंभ है। आध्यात्मिक परिभाषा के अनुसार देव और गुरु तथा उनकी वाणी एवं उपदेश निमित्त मात्र बनते हैं। उपादान तो स्वयं हमारी आत्मा ही है। महापुरुषों की वाणी ने न जाने कितनी आत्माओं को जागृत किया है। जिस वाणी का महत्व इतना व्यापक है और सार्वदेशिक है उस वाणी के मूल्य को समझना होगा और जीवन व्यवहार में उपयोग में लाना होगा। जब तक स्वयं हमारे अंदर विवेक शक्ति का उदय नहीं होगा, तब तक हमें उस वाणी के ज्ञान का सच्चा आनंद प्राप्त नहीं हो सकेगा।

बहनों, आओ अपने भीतर की विवेक शक्ति को जगाएं ।
संकल्प और विश्वास को मजबूत बनाएं ।
आलोचना और अहंकार पर नियंत्रण करें ।
भाग्यवादी के साथ पुरुषार्थवादी भी बने ।
आपसी संबंधों को मन से जीना सीखें ।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

ऊर्जावाणी

भगवान महावीर की वाणी का स्त्रोत आज रेत में बिखरी हुई नदी की तरह सूख गया। भ्रांतियों के अंधेरे कोनों में सत्य की रोशनी कैद हो गई। जिस संस्कारों को ढोया जा रहा है, उनमें कोई औचित्य दृष्टिगत नहीं होता। उनमें नए सिरे से परिवर्तन या संशोधन की तैयारी नहीं है। पूर्वाग्रह का खोल सत्य का साक्षात्कार होने में बाधक बन रहा है। दिगम्बर पण्डित भगवान महावीर को दिगम्बर बना रहे हैं और श्वेताम्बर भक्त उनके मुखवस्त्रिका बांध रहे हैं। सत्य को पहचानने वाली आँख किसी के पास नहीं है। ऐसी स्थिति में आज फिर एक महावीर की जरूरत है, जो धर्म को उसके मूलरूप में उजागर कर सके।

–आचार्य श्री तुलसी

भगवान महावीर ने व्यापक स्तर पर अहिंसा का प्रतिपादन किया था। उन्होंने कहा कि हिंसा और परिग्रह तथा अहिंसा और अपरिग्रह को एक साथ देखो। अर्थ की उपयोगिता है, इसलिए आर्थिक विकास की उपेक्षा नहीं की जा सकती। जबकि एक धर्माचार्य के दायरे में अध्यात्म मुख्य होता है, अर्थशास्त्र गौण। कुछ लोगों को अटपटा लगता है कि धर्माचार्य का भला अर्थशास्त्र से क्या लेना–देना ? लेकिन गहरे अध्ययन के बाद निष्कर्ष है कि अर्थशास्त्र को पढ़े बिना हम वर्तमान की समस्या का समाधान नहीं कर सकते। हमने इस संदर्भ में एक नए शब्द का प्रयोग किया। केवल इकोनोमिक्स नहीं, रिलेटिव इकोनोमिक्स चाहिए। सापेक्ष अर्थशास्त्र, जो केवल बड़े लोगों के लिए नहीं, जिसमें गरीब लोगों के लिए भी अवकाश हो, गुंजाइश हो।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

अध्यात्म–साधना का लक्ष्य है वीतरागता। वीतरागता की साधना में बाधाएं भी उत्पन्न होती रहती है। उनका उत्पादक है मोहकर्म। जब–जब मोह का उदय प्रबल होता है, वीतरागता के विकास में अवरोध ही नहीं, गतिरोध ही नहीं, प्रतिगति और ह्रासोन्मुखता भी हो जाती है। ज्यों–ज्यों मोह का विलय (क्षमोपशम, उपशम, क्षय) प्रबल होता है, व्यक्ति वीतरागता की दिशा में आगे बढ़ता जाता है। मोहविलय के उपायों को जानना अपेक्षित है, आलम्बन अपेक्षित है।

भगवान महावीर समता–पुरुष थे, उनकी समता की पराकाष्ठा इस श्लोक से ज्ञात होती है –

पन्नगे च सुरेन्द्रे च, कौशिके पादसंस्पृशि।
निर्विशेषमनस्काय, श्री वीरस्वामिने नमः।।

–आचार्य श्री महाश्रमण

संसार में दो मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता यह है कि इच्छा को बढ़ाओ, महत्त्वाकांक्षी बनो। जब तक व्यक्ति इच्छाओं को विस्तार नहीं देता है तब तक व्यक्ति अपने जीवन में कोई बड़ा काम नहीं कर सकता। इसलिए अधिक से अधिक इच्छाओं का विस्तार करो।

किन्तु भगवान महावीर ने कहा – आकाश का कहीं ओर–छोर हो तो इच्छाओं का भी अंत हो। बढ़ाते जाओ, बढ़ाते जाओ। लेकिन दूसरा अभिमत यह है कि इच्छाओं को जितना बढ़ाओगे, दुःख उतना ही बढ़ेगा इसलिए इच्छाओं का संयम करो। अब दो रास्ते हैं। किस पर चलना है यह सोचना है। महावीर वाणी के आधार पर जो मार्गदर्शन दिया गया है, उस पर या अन्य अभिमत पर, दोनों स्थितियां हमारे सामने हैं।

– साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

करणीय कार्य - अप्रैल

बहनों ! 21 वीं सदी अनन्त संभावनाओं से भरी है। इससे पहले संभवतः कभी इतनी संभावनाएं नहीं थी और न ही इतना काम करने की जरूरत थी। आज हर व्यक्ति बेहतर दुनिया व बेहतर भविष्य के लिए जीवन में हर संभव प्रयास करना चाहता है। चाहे महिला हो, चाहे पुरुष, सभी समय के साथ-साथ अपने तार्किक कौशल से नई-नई तकनीक का प्रयोग करने लगे हैं। साधारण जीवन से लेकर शिक्षा, चिकित्सा, संचार माध्यम, परिवहन, विज्ञान, मनोरंजन आदि सभी क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी का इतना विकास हुआ है कि चंद लम्हों में सबकुछ संभव हो जाता है। एक समय था जब कम्प्यूटर का बोलबाला था मगर आज तो हर हाथ में मिनी कम्प्यूटर है - स्मार्ट फोन। चलते-फिरते, सोते-जागते, खाते-पीते हर पल विकास का माध्यम बना हुआ है, बशर्ते उसका सही उपयोग करें। बहनों इसी उद्देश्य को लेकर इस माह

WE connect
Communicate Collaborate Create

के अन्तर्गत आयोजित करें

Digital Workshop

Connection with Technology

कार्यशैली बने सटीक - सीखें नई-नई तकनीक

इस कार्यशाला में अपने-अपने क्षेत्र में मोबाइल एप की विस्तृत एवं गहन जानकारी रखनेवाले किसी भी व्यक्तित्व को बुलाकर बहनों को प्रशिक्षण दें। कन्या मंडल व युवती बहनों का भी सहयोग ले सकते हैं। बहनों को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के लिए अपने-अपने क्षेत्र की उपस्थिति के आधार पर ग्रुप बना लें और प्रत्येक गुप में एक जानकारी रखने वाली बहन या अन्य किसी को लीडर बना दें। सभी के हाथ में मोबाइल हो और प्रशिक्षक के निर्देशानुसार सभी अपने-अपने मोबाइल में प्रयोग करें।

प्रशिक्षण के अंतर्गत निम्न बिन्दुओं को समाहित करें -

- मोबाइल में विभिन्न App कैसे डाउनलोड करें व रोजमर्रा के लिए उपयोगी App की जानकारी (Eg. Cam Scaner भाषाओं से संबंधित App etc.)
- मोबाइल Setting की विस्तृत जानकारी।
- What's App के उपयोग की विस्तृत जानकारी। (ग्रुप बनाना, Broad Cast etc.)
- Ola, Uber आदि कैसे बुक करें।
- फोटो, विडियो, रिकार्डिंग आदि edit कैसे करें।
- मोबाइल में Email के उपयोग की विस्तृत जानकारी।
- GPS का प्रयोग कैसे करें तथा location व Live location कैसे Share करें।
- Paytm व online banking की जानकारी।
- Online Shopping व टिकट बुकिंग की जानकारी।
- अलग-अलग alarms व ring tone कैसे सेट करें।
- Facebook, Instagram, You Tube, Message आदि के उपयोग की प्रारंभिक जानकारी।

बहनों, इस संपूर्ण प्रशिक्षण को पांच भागों में विभाजित करके दो-दो घंटे के प्रशिक्षण की व्यवस्था करें। चाहे प्रतिदिन दो घंटे, सप्ताह में दो दिन या फिर अपनी स्थानीय सुविधानुसार दिन व समय निर्धारित करके इसका आयोजन करें ताकि वास्तव में कोई निष्पत्ति आए।

इस माह का संकल्प - ॐ अ. भि. रा. शि. को. नमः प्रतिदिन एक माला का जाप करें

शाखा मंडलों के चुनाव हेतु विशेष दिशा-निर्देश

बहनों ! वक्त गुजरते देर नहीं लगती। आप सभी के विकासशील कदमों की आहट देश ही नहीं विदेश की धरती पर भी सुनाई दे रही है। हमें बेहद गर्व की अनुभूति होती है कि आपके हजारों, सशक्त हाथों के श्रम से केन्द्रीय संस्था निरंतर विकास के पथ पर आरोहण कर रही है। अब पुनः समय आ गया है चुनाव का। सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि यह वर्ष चुनाव वर्ष है अतः **15 जून 2019 से 15 जुलाई 2019** तक सभी शाखा मंडल अपने-अपने क्षेत्र में अध्यक्षीय चुनाव करवायें। प्रयास यह रहे कि चातुर्मास प्रारंभ होने से पहले ही चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हो जाये। शाखा मंडल की बहनें ध्यान दें कि **चुनाव की प्रक्रिया पूर्णतया संवैधानिक हो।** चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाए। यथासंभव सभी क्षेत्र मनाव की परम्परा से नये अध्यक्ष का मनोनयन करें और जागरूकता, सजगता व प्रमोद भावना का परिचय दें। चुनाव का कार्यक्रम साधारण सभा में किया जाए तथा साधारण सभा का आयोजन विधिवत प्रारूप के आधार पर किया जाए।

साधारण सभा का प्रारूप

1. साधारण सभा की रूपरेखा एक माह पूर्व कार्यसमिति की मीटिंग में निर्धारित की जाए जिसमें साधारण सभा की दिनांक, स्थान, समय, एजेंडा व बजट पारित करवाया जाए।
2. चुनाव अधिकारी की नियुक्ति कार्यसमिति की मीटिंग में ही की जाए।
3. आय-व्यय का ब्यौरा पहले कार्यसमिति की मीटिंग में रखा जाए बाद में ही साधारण सभा में रखा जाये।
4. साधारण सभा में एक तिहाई उपस्थिति अनिवार्य है। बड़े क्षेत्रों में अगर कोरम पूरा न हो तो निश्चित समय के आधा घंटे बाद कम से कम 51 सदस्यों की उपस्थिति में साधारण सभा का आयोजन किया जा सकता है।
5. साधारण सभा के लिए कम से कम 15 दिन पूर्व सभी सदस्यों को सूचना दी जाए जिसमें बैठक की तारीख, स्थान, समय व कार्यसूची का उल्लेख हो। यह सूचना मंडल की बुलेटिन या सर्क्युलर या ईमेल के माध्यम से लिखित में सदस्यों को प्रेषित की जाए। वॉट्सअप या फोन से नहीं।
6. साधारण सभा के अंतर्गत संस्था के सभी सामान्य सदस्य उपस्थित हो। साधारण सभा के दो रजिस्टर होते हैं - एक एजेंडा व दूसरा मिनिट। एक चुनाव रजिस्टर भी होता है। एजेंडा रजिस्टर में साधारण सभा में उपस्थित सभी सदस्यों के हस्ताक्षर करवाया जाये और जो सदस्य नहीं है और उन्हें आमंत्रित किया है तो उनके विशेष आमंत्रित के रूप में हस्ताक्षर करवाये। साधारण सभा के कार्यक्रम की पूरी रिपोर्ट मिनिट रजिस्टर में दर्ज की जाये। चुनाव रजिस्टर में चुनाव कार्यक्रम का ब्यौरा लिखा जाए।
7. साधारण सभा में गत साधारण सभा की मिनिट का वाचन, मंत्री प्रतिवेदन, आय-व्यय का ब्यौरा, संविधान का वाचन, पारितोषिक वितरण व नये नेतृत्व का मनोनयन आदि प्रक्रिया समाहित करें।
8. मनोनयन के बाद एक महीने के भीतर अध्यक्ष नई कार्यसमिति का गठन करें। अपने-अपने क्षेत्र में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन करे तथा नये अध्यक्ष-मंत्री के नाम व पते महामंत्री कार्यालय एवं केन्द्रीय कार्यालय, लाडनूं में शीघ्र ही प्रेषित करें।
9. चुनाव अधिकारी के पास निर्धारित समय तक यदि एक से अधिक नामांकन पत्र आ आये तो 24 घंटे पूर्व चुनाव अधिकारी संस्था के दो-तीन वरिष्ठ सदस्य (पूर्वाध्यक्ष आदि) और वर्तमान अध्यक्ष, मंत्री के साथ मीटिंग करके उम्मीदवार को समझाने का प्रयास करें तथा यथासंभव मनाव प्रक्रिया को प्राथमिकता दे। उम्मीदवार चुनाव के पूर्व तक अपना नाम वापिस ले सकेगा।
10. यदि अध्यक्ष पद के संबंध में निर्धारित दिनांक तक किसी नाम का प्रस्ताव नहीं आया हो तो निर्वाचन अधिकारी को अधिकार होगा कि वह चालू बैठक में अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव मांग ले और सर्वसम्मति अथवा बहुमत के आधार पर चुनाव करा दें।
11. किसी भी मंडल में कार्यसमिति सदस्यों की संख्या मंडल के साधारण सदस्यों की संख्या के अनुपात में

निम्नलिखित संख्या सूची के अनुरूप होनी चाहिए।

	स्थानीय मण्डल की साधारण सदस्य संख्या	कार्यसमिति सदस्य संख्या
1.	13 से 24 सदस्य	6 (अध्यक्ष सहित)
2.	25 से 50 सदस्य	7 (अध्यक्ष के अलावा)
3.	51 से 100 सदस्य	11 से 13 (अध्यक्ष के अलावा)
4.	101 से 200 सदस्य	15 से 17 (अध्यक्ष के अलावा)
5.	201 से 300 सदस्य	21 (अध्यक्ष के अलावा)
6.	301 से 500 सदस्य	25 से 31 (अध्यक्ष के अलावा)
7.	501 से अधिक सदस्य	41 (अध्यक्ष के अलावा)

विशेष ध्यानार्थ

सन् 2017 की साधारण सभा में संविधान संशोधन हेतु निम्न नियम पारित किये गये। उसका भी अनिवार्यतः पालन किया जाए।

1. अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की उम्र कम से कम 35 वर्ष व अधिकतम 65 वर्ष हो सकती है।
2. चुनाव अधिकारी कोई वरिष्ठ पदाधिकारी ही बन सकता है जिसे मंडल के संविधान का ज्ञान हो। जैसे पूर्व अध्यक्ष, परामर्शक आदि।
3. चुनाव वर्ष में 31 मार्च तक ही सदस्य बना सकते हैं। चुनाव के पश्चात् पुनः सदस्य बना सकते हैं।
4. नामांकन पत्र में एक प्रस्तावक व पांच अनुमोदक तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर होना जरूरी है। कोई भी साधारण सदस्य एक ही उम्मीदवार का प्रस्तावक व अनुमोदक बन सकता है।
5. अध्यक्ष पद के लिये दो कार्यकाल (चार वर्ष) तथा उपाध्यक्ष, मंत्री पद के लिए एक कार्यकाल (दो वर्ष) का अनुभव होना जरूरी है।
6. पूर्व अध्यक्ष, मंत्री, उपाध्यक्ष को आने वाली नई टीम कार्यसमिति में अनिवार्य रूप से शामिल करें।
7. 1/3 पुरानी कार्यसमिति रहना अनिवार्य है। प्रत्येक तीन माह बाद पूरी कार्यसमिति के समक्ष आय-व्यय का ब्यौरा खुलासा के साथ प्रस्तुत करें। कार्यसमिति के अलावा अन्य गठित विभागों को कार्यसमिति कोरम में नहीं माना जाएगा।
8. विशेष आमंत्रित को हर कार्यसमिति मीटिंग में न बुलाया जाए।

नोट :- नामांकन पत्र व शपथ पत्र आपको प्रेषित किया जा रहा है उसे संस्था की फाइल में सुरक्षित रखें तथा झेरोक्स करवाकर उपयोग में ले। मोबाइल एप तथा वेबसाइट पर भी ये उपलब्ध होगा।

आगामी माह के करणीय कार्य

मई- **Connection with Opportunities**
सही अवसर की करे पहचान, सफलता की राह बने आसान

जून- **Connection with Next Generation**
सीख लें अगर रिश्तों की ABCD, खुशहाल रहेगी नई पीढ़ी

जुलाई- **Connection with Holistic Approach**
नया चिंतन नयी सोच, जीवन में अपनाएं Holistic Approach

जुलाई माह में ''महाप्रज्ञ प्रबोध'' पर प्रश्नमंच का आयोजन करें।

महातपस्वी परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के 58वें जन्म दिवस एवं 10 वें पट्टोत्सव के अवसर पर महिला समाज द्वारा श्रद्धा के विभिन्न रंगों से भरी एक नन्हीं तपोमय भेंट – **पचरंगी**

अ.भा.ते.म. मंडल कर रहा हैं पचरंगी तप का आह्वान ।
जन्मोत्सव पट्टोत्सव का आ रहा है पर्व महान ।
छोटे छोटे तप का कलश श्रीचरणों में करें समर्पित ।
स्वीकारो हे ! मानवता के तीरथधाम, दे दो नव वरदान ।।

इस त्यागमय पचरंगी में आप नवकार माला, सामायिक, मौन, विगय वर्जन, एवं तिविहार त्याग कर पूज्यप्रवर के प्रति पर अपनी श्रद्धा समर्पित करें। ज्यादा से ज्यादा भाई-बहनों को इस तप साधना से जोड़ने का प्रयास करें।

पचरंगी तप की रूप रेखा

सामायिक	5 व्यक्ति	–	5 सामायिक	
	5 व्यक्ति	–	4 सामायिक	
	5 व्यक्ति	–	3 सामायिक	**= 1 सामायिक पचरंगी**
	5 व्यक्ति	–	2 सामायिक	
	5 व्यक्ति	–	1 सामायिक	
विगय वर्जन	5 व्यक्ति	–	5 विगय का त्याग	
	5 व्यक्ति	–	4 विगय का त्याग	
	5 व्यक्ति	–	3 विगय का त्याग	**= 1 विगय वर्जन पचरंगी**
	5 व्यक्ति	–	2 विगय का त्याग	
	5 व्यक्ति	–	1 विगय का त्याग	

इसी प्रकार अन्य पचरंगी की गणना होगी।

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों

सादर जय जिनेन्द्र !

शरद ऋतु की समाप्ति के साथ ही आ गया पूरे वर्ष भर में की गई मेहनत की कसौटी का अर्थात परीक्षा का समय। अपनी मेहनत, लगन और एकाग्रता के साथ आप सभी इस कसौटी को सफलतापूर्वक पूर्ण करें यही मंगलकामना।

इस माह करते है हम ऐसे महापुरुष की अभिवन्दना जिसने अहिंसा की रोशनी से समग्र विश्व को प्रकाशित किया। भगवान महावीर का जीवन एक दर्शन है। उनके दर्शन को समझना और जीवन में उतारना यही सबसे बड़ी स्तुति है। अतः महावीर जयंती पर हम केवल उनके गुणों का गुणगान न करें अपितु उनके दर्शन को जीवन में उतारें।

आपकी
मधु देरासरिया

इस माह आयोजित करें

''भगवान महावीर की वाणी, है कल्याणी'' प्रतियोगिता

(भगवान महावीर के जीवन, सिद्धान्तों पर आधारित)

- प्रश्नमंच, प्रश्नोत्तरी, लेख, निबंध, भाषण आदि किसी भी रूप में इस प्रतियोगिता का आयोजन करें
- विजेता कन्याओं को पुरस्कृत करें।

Uniqueshala - Step up..... Dive with FB live

इस माह करेंगे जीवन को आलोकित, अध्यात्म की किरणों से जो जीवन के हर मोड़ पर मंजिल का पथ दर्शन करती रहेगी।

Let life truly blossom
with some spiritual wisdom
Helping enhance spiritual quotient

• 21 April - 2 pm to 3 pm

15 वाँ वार्षिक कन्या अधिवेशन 5, 6, 7 अगस्त 2019 को बेंगलुरू में

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में दिनांक 5, 6, 7 अगस्त 2019 को कर्नाटक की राजधानी बैंगलुरू में 15 वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन का आयोजन किया जायेगा।

- बड़े क्षेत्रों से 7 तथा छोटे क्षेत्रों से 4 कन्याएं भाग लेंगी।
- रजिस्ट्रेशन 5 अगस्त को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ हो जायेगा।
- 7 अगस्त दोपहर 2 बजे के बाद आप प्रस्थान कर सकते हैं।
- कन्याओं के साथ एक महिला संरक्षिका (प्रभारी) अवश्य आएं।
- कन्याएं तेरापंथ प्रबोध के 66 से 125 तक पद्य कंठस्थ एवं संपूर्ण गद्य की तैयारी करके आएं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का अगला कदम

निर्माण - एक कदम सुरक्षा की ओर

बहनों, आप सभी ने सघनता के साथ **निर्माण-1** हेतु स्कूलों में जाकर प्रशिक्षण देकर बच्चों के जीवन में बदलाव लाने का सफल प्रयास किया है। साधुवाद के पात्र हैं वे सभी शाखा मण्डल एवं समर्पित कार्यकर्ता बहनें जिन्होंने 6 महिने तक जन-जागृति के इस मिशन में अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए हम चलते हैं **निर्माण-2** की ओर। इस द्विमासिक प्रोजेक्ट में, पिछली बार की ही तरह आपको 2 माह में चार बार (संभवतः उसी स्कूल में जिसमें निर्माण-1 किया था) जाकर निम्नलिखित मोड्यूल के अनुसार कक्षा 5-7 के विद्यार्थियों को सुरक्षा का प्रशिक्षण देना है।

प्रथम सप्ताह में **''सुरक्षा जीवन की''** इसके अंतर्गत आपको प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी देनी है, प्रायोगिक प्रशिक्षण के साथ। कक्षा में फर्स्ट एड किट भी रखकर उसकी उपयोगिता समझानी है। प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी देने के पूर्व पहले स्वयं उसका प्रशिक्षण ले अथवा साथ में नर्स को भी लेकर जा सकते हैं।

सुरक्षा जीवन की मोड्यूल - 1

- महाप्राण ध्वनि
- बैंडेज करना
- जलने पर प्राथमिक उपचार
- कीड़ा/जानवर के काटने पर उपचार
- नकसीर होने पर
- खेलते-खेलते चोट लगने पर
- किट का डेमो

सुरक्षा आपदाओं से मोड्यूल - 2

- महाप्राण ध्वनि
- आग लगने पर सुरक्षा उपाय
- स्ट्रेन्जर के Damo को समझाओ
- Good Touch/Bad Touch
- करंट से बचने के उपाय

नोट :
1. प्रशिक्षण के पूर्व स्वयं सटीक जानकारी लेकर स्कूल जाये।
2. विभिन्न लिंक प्रशिक्षण हेतु आपको भेज दिये जायेंगे।
3. शेष दो मोड्यूल अगले अंक में दिए जायेंगे।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

अ.भा.ते.म.मं. का गरिमामय सम्मान व सर्वोच्च पुरस्कार है ''आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार''। नारी उन्नायक आचार्य तुलसी के प्रति कृतज्ञ महिला समाज की विनम्र श्रद्धांजलि है यह पुरस्कार।

नारी सेवा, समर्पण, संस्कृति की संवाहक और सृजन का मूर्त रूप है। अतः सामाजिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनैतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला या महिला संस्थान को प्रति दूसरे वर्ष आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार से नवाजा जाता है। अब तक के गौरवशाली पुरस्कार प्राप्तकर्ता है - डॉ. पूर्णिमा आडवाणी (भूतपूर्व अध्यक्ष - राष्ट्रीय महिला आयोग), डॉ. किरण बेदी (प्रथम महिला आईपीएस ऑफिसर), श्रीमती नीलिमा खेतान (मुख्य संचालिका सेवा मंदिर, उदयपुर), श्रीमती अनुराधा कोईराला (संस्थाई माईती नेपाल संस्था, काठमाण्डू), श्रीमती मृदुला सिन्हा (वर्तमान महामहिम राज्यपाल, गोवा)।

अ.भा.ते.म.मं. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वर्ष 2019 के पुरस्कार हेतु प्रविष्ठियाँ आमंत्रित कर रहा है। देश या विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला या महिला संस्थान के नाम का आवेदन पत्र भरकर इस पुरस्कार की निदेशक श्रीमती सायर बैंगानी के निम्न पते पर भेजें। आवेदन पत्र भरकर भेजने की अंतिम तिथि 25 मई 2019 होगी। आवेदन पत्र नारीलोक के साथ भेजा जा रहा है। abtmm एप पर डाउनलोड करके आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार के बारे में आप जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

फोन : 9818403318
Email : sayarshree@yahoo.co.in

पुरस्कार निदेशक - श्रीमती सायर बैंगानी
78, श्रीराम रोड़, दिल्ली-110054

श्रुतोत्सव (तत्त्वज्ञान प्रचेता कार्यशाला) - दीक्षांत समारोह

आचार्य तुलसी का स्वप्न था कि तेरापंथ धर्मसंघ में तत्वज्ञ व तेरापंथ के दर्शन को जानने वाले श्रावक-श्राविका तैयार हो। आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी पर लाडनूं में वर्ष 2013 में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 2007 से 2012 तक के तत्वप्रचेता एवं तेरापंथ प्रचेताओं ने भाग लिया। अब वर्ष 2013 से 2018 तक के तत्व प्रचेता एवं तेरापंथ प्रचेताओं को आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष में डिग्री प्रदान की जायेगी।

- सभी भाई-बहिन 7 अगस्त को पहुँचे। 7 अगस्त को 2 बजे से 9 अगस्त 10 बजे तक आवास उपलब्ध रहेगा।
- 7 अगस्त को 11 बजे से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो जायेगा।
- 9 अगस्त को 11 बजे के बाद ही आप जा सकेंगे।
- 2013 से 2018 तक के तत्वप्रचेता एवं तेरापंथ प्रचेता भाग लेंगे।
- 2007 से 2018 तक के ''तत्वप्रचेता'' 6 वर्ष के थोकड़े कंठस्थ करके आयें उनकी विशेष परीक्षा होगी।
- अपने ओढ़ने-बिछाने व अपनी जरूरत का सामान साथ में लायें।
- बहिनें गणवेश एवं भाई सफेद वस्त्र पहनने के लिए लायें।
- बैंगलुरु एयरपोर्ट आचार्य प्रवर के प्रवास स्थल से 65 कि.मी. दूर है आने-जाने में 2-2.30 घंटे लगते हैं अतः अपनी टिकट उसी हिसाब से बनायें।

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन विशेष परीक्षा

तत्त्वज्ञान के छठें वर्ष और तेरापंथ दर्शन के पांचवे वर्ष की विशेष मौखिक व लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक 9 व 10 अगस्त 2019 को परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में बेंगलुरू में किया जायेगा।

- परीक्षार्थियों को 9 अगस्त को दोपहर 1 बजे से आवास दिया जायेगा।
- 9 अगस्त को दोपहर 3 बजे से मौखिक परीक्षा होगी।
- 10 अगस्त को दोपहर 12 बजे तक आवास उपलब्ध रहेगा।
- रजिस्ट्रेशन शुल्क प्रति व्यक्ति 200/- रूपये होगा।
- अपने ओढ़ने-बिछाने व जरूरत का सामान साथ में लायें।

अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-

निदेशिका
श्रीमती पुष्पा बैंगानी
9311250290

राष्ट्रीय संयोजिका
श्रीमती मंजु भूतोड़िया
9312173434

लाइफ कोच ट्रेनिंग कोर्स का अंतिम चरण मुंबई में 14, 15, 16 जून 2019

देशभर की बहनों में छिपी प्रतिभा को उजागर कर प्रभावी प्रेरक, कुशल संचालक, निपुण लेखक व प्रखर प्रवक्ता बनाने के उद्देश्य से एक वर्ष पूर्व अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा LCTC का प्रारंभ किया गया। जिसे छह मोड्यूल में विभाजित किया गया। वर्ष भर में Online सिस्टम से संचालित इस कोर्स का अंतिम चरण आगामी दिनांक 14, 15, 16 जून 2019 (शुक्रवार, शनिवार, रविवार) को तेरापंथ सभाभवन, कांदिवली (मुंबई) में आयोजित होने जा रहा है। इसमें जिन संभागियों ने चार मोड्यूल समाप्त कर लिये हैं वो सभी भाग ले सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- जयश्री बडाला - 09867486848 रचना हिरण - 09821385587

देश के प्रमुख स्थानों में आ॰ महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का लोकार्पण

हिसार – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में हिसार महिला मंडल द्वारा ''कन्या सुरक्षा परियोजना'' के अंतर्गत **जिंदल हॉस्पिटल हिसार** में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया गया। मुनि श्री कुलदीप कुमारजी के द्वारा नवकार मंत्र एवं मंगलपाठ के उच्चारण के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया एवं श्री जगदीश जिंदल द्वारा सर्किल का लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा वर्तमान में कन्याओं की सुरक्षा अत्यन्त आवश्यक है तथा इस हेतु जागरूकता फैलाने में ये सर्किल महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने सर्किल निर्माण हेतु मंडल को बधाई प्रेषित की। हिसार महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुमन जैन ने अस्पताल परिसर में सर्किल निर्माण हेतु श्रीमती सावित्री जिंदल के प्रति आभार प्रकट किया। सर्किल निर्माण में श्री गौरव जैन, श्री नवीन जैन एवं श्री पंकज जैन का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर श्री ललित शर्मा, डॉ. सिंघल, डॉ. शेखर सिन्हा, डॉ. आदर्श शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटर श्री अनूप दयाल, श्री सुशील कालरा, श्री कुलदीप के साथ अस्पताल का स्टाफ भी मौजूद रहा। तेरापंथ समाज हिसार की सभी संस्थाओं के पदाधिकारी व गणमान्य व्यक्तियों की कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही।

जयपुर शहर – तेरापंथ महिला मंडल जयपुर – शहर द्वारा मानसरोवर वीटी रोड़ स्थित **नाहटा पेट्रोल पंप** पर आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया गया। सर्किल का उद्घाटन अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया द्वारा नवकार मंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। जयपुर शहर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में श्री शुभकरणजी नाहटा, श्री कमलजी नाहटा, राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभागदेवी बैद, श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, रा.का.स. श्रीमती विमला दुगड़ आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीमती कुमुद कच्छारा ने महिला मंडल के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पेट्रोल पंप पर निर्मित पहला सर्किल है जहाँ हजारों की संख्या में वाहनों के आवागमन से कन्या सुरक्षा जागरूकता अभियान को गति मिलेगी व अच्छा प्रचार प्रसार होगा। मंत्री श्रीमती शंकुतला चौरड़िया ने सभी के प्रति आभार एवं नाहटा परिवार के सहयोग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष तौर पर गांधी नगर रेल्वे स्टेशन पर कन्या सुरक्षा सर्किल का भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भीलवाड़ा – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर केन्द्रीय मंत्री माननीय श्री गुलाबचन्द कटारिया के सहयोग एवं जयपुर शहर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा एवं मंत्री श्रीमती शंकुतला चौरड़िया के प्रयास से जयपुर से उदयपुर के मध्य आने वाले मुख्य रेल्वे स्टेशनों पर कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण करने की स्वीकृति प्राप्त होने पर भीलवाड़ा रेल्वे स्टेशन के मुख्य स्थान पर भीलवाड़ा महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमण सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया गया। अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया द्वारा इस सर्किल का लोकार्पण किया गया। भीलवाड़ा महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला गोखरू एवं श्री निर्मलजी गोखरू को सर्किल निर्माण में विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में रेल्वे स्टेशन के अधिकारीगण, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, ई मिडिया प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं स्थानीय सभा संस्था के पदाधिकारियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। मंत्री श्रीमती मैना कांठेड़ ने सभी के सहयोग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सी-स्कीम महिला मंडल जयपुर – शासन स्तंभ श्रद्धेय मंत्री मुनि श्री सुमेरमलजी स्वामी एवं ज्ञानशाला के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री उदित कुमार जी से मंगल पाठ सुनकर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जयपुर के अति व्यस्त क्षेत्र विद्याधरनगर में नेशनल हैंडलूम के सामने चौराहा के डिवाइडर पर आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तम्भ का अनावरण पूर्व महापौर ज्योतिजी खंडेलवाल, आखिल भारतीय महिला मंडल की ट्रस्टी सौभागजी बैद, उपाध्यक्ष पुष्पाजी बैद, सहमंत्री विजय लक्ष्मीजी भूरा, भिक्षु साधना केंद्र समिति के अध्यक्ष नरेंद्रजी रायजादा, स्थानीय अध्यक्ष सुशीलाजी चौपड़ा, मंत्री कनकजी दूधोडिया, कोषाध्यक्ष ललीताजी रायजादा, परामर्शक मुकुलिकाजी बैद, कार्यसमिति की बहनें एवं अन्य बहनों द्वारा किया गया। पूर्व महापौर ज्योतिजी खण्डेलवाल ने मंडल की सराहना करते हुए कहा कि अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आपने कन्या सुरक्षा जागरूकता के लिए स्तंभ बना के अच्छा कार्य किया है। मंडल द्वारा 5 स्तंभ निर्मित हो चुके हैं

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सैन्टर का शुभारम्भ

भीलवाड़ा – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में भीलवाड़ा महिला मंडल ने एम.जी.गर्वमेन्ट हॉस्पिटल में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर का शुभारम्भ किया। आचार्य महाश्रमणजी के सुशिष्य शासन श्री मुनि सुखलालजी स्वामी के सहवर्ती संत मुनि श्री मोहजीत कुमारजी एवं मुनिश्री जयेश कुमारजी के सान्निध्य में अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़ ने सेन्टर का उद्घाटन किया। अ.भा.ते.म.मं. द्वारा राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया के सहयोग से भीलवाड़ा महिला मंडल को सेन्टर हेतु 21 मशीनों का अनुदान किया गया। एम.जी. हॉस्पिटल भीलवाड़ा शहर के मध्य में स्थित होने से इस सेन्टर से अधिक लोग लाभान्वित हो सकेंगे यह कहते हुए श्रीमती कुमुद कच्छारा ने मंडल को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर राष्टीय ई–मीडिया प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल व स्थानीय सभा–संस्था के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंत्री श्रीमती मैना कांठेड़ ने सभी के प्रति धन्यवाद प्रेषित किया।

संगरूर – तेरापंथ महिला मंडल संगरूर द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सहयोग से आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वीश्री बसंत प्रभाजी के सान्निध्य में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर का शुभारम्भ किया गया। राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया के सौजन्य से प्राप्त 21 मशीनों से सेन्टर की शुभ शुरूआत हुई एवं संगरूर महिला मंडल को मानव सेवा का कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सेन्टर संचालक डॉ. श्रीमती कामिनी सिंगला ने मशीनों की जानकारी प्रदान की। समारोह में पंजाब प्रान्तीय अध्यक्ष श्री रतनलालजी जैन, श्री सुरेन्द्रजी, रा.का.स. श्रीमती उषा जैन विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। संगरूर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मीना जिंदल ने स्वागत के साथ सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री श्रीमती प्रीति सिंगला ने मंच का कुशल संचालन किया।

सी स्कीम, जयपुर – तेरापंथ महिला मंडल सी–स्कीम जयपुर द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर का उद्घाटन उमंग स्कूल मे किया गया इस स्कूल में 300 विशेष बच्चें है जिन्हें हर रोज फिजियोथैरेपी की जरूरत होती है। बच्चो की जरूरत के हिसाब से मशीनें लगवाई गई। श्रद्धेय मंत्री मुनि प्रवर का मंगल पाठ सुनकर इस फिजियोथेरेपी का शुभारंभ पूर्व पर्यावरण एवं वन मंत्री श्रीमती बीना काक, स्कूल के डायरेक्टर दीपक कालरा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चोपड़ा, मंत्री कनक दुधोड़िया द्वारा किया गया। मंत्री श्रीमती बीना काक ने कहा मैं मंडल को बहुत – बहुत बधाई देती हुँ, आपकी संस्था बहुत अच्छे कार्य कर रही है। ऐसे मानव सेवा के कार्य आप और करते रहे ऐसी मंगल कामना करती हूं। अध्यक्ष सुशीला जी चोपड़ा ने कहा कि ये तो हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि संस्था को फिजियोथैरेपी सेंटर के लिए अनुकूल स्थान मिला जिससे आत्मसंतुष्टि हुई है। मंडल ने ये चौथा फिजियोथैरेपी सेंटर खोला है। यह मंडल के लिए बहुत गौरव की बात है। समारोह में उपाध्यक्ष ममताजी चौपड़ा, परामर्शक श्रीमती मुकुलिका जी बैद, डॉली जी दुगड़ एवं मंडल की पदाधिकारी बहनों एवं सदस्यों की सराहनीय उपस्थिति रही। स्थानीय सभा के मंत्री राजेन्द्रजी बांठिया, टी.पी.एफ. अध्यक्ष डॉ. अनिलजी भंडारी, श्रीमान जुगल किशोरजी बैद की गरिमामयी उपस्थिति रही । इस प्रोग्राम का कवरेज इंडिया टीवी राजस्थान में हुआ।

दिल्ली महिला मंडल का स्वर्ण जयंती समारोह

महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या बहुश्रुत साध्वीश्री कनकश्रीजी व साध्वीश्री डॉ. कुंदनरेखाजी एवं साध्वीवृंद के सान्निध्य में अभातेममं प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामयी उपस्थिति में दिल्ली महिला मंडल ने डॉ. अंबेडकर सेन्टर में स्वर्ण जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर गोवा राज्यपाल माननीय श्रीमती डॉ. मृदुला सिन्हा विशिष्ट अतिथि के तौर पर महासभा के मुख्य ट्रस्टी श्री के.एल. जैन पटावरी, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर, राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती पूजा कपिल मिश्रा एवं साध्वी प्राची की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। दिल्ली महिला मंडल के पचास वर्ष के स्वर्णिम सफर को दर्शाती स्मारिका ''अविरल धारा'' का लोकार्पण किया गया। इसके निर्माण में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती तारा बैंगानी, श्रीमती सरोज छाजेड़, श्रीमती अंजु जैन, श्रीमती मंजु भूतोड़िया एवं श्रीमती सुनीता दुगड़ का सहयोग रहा। कार्यक्रम के दूसरे चरण में ''स्वर्णिम सफर'' नाट्य का मंचन किया गया जिसमें नारी जाति उन्नायक आचार्यश्री तुलसी की दूरदर्शिता व तेरापंथ महिला समाज की पाँच दशक में हुई गति प्रगति को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया। सभी अतिथियों ने दिल्ली महिला मंडल को बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम संयोजना में पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी, श्रीमती रजनी बाफना, श्रीमती नीतू पटावरी, श्रीमती हेमा चोरड़िया, श्रीमती सुनीता डूंगरवाल, श्रीमती समृद्धि बोकाड़िया का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संरक्षिका श्रीमती तारादेवी सुराणा, श्रीमती सुशीला पटावरी, ट्रस्टी प्रकाशदेवी तातेड़, सौभागदेवी बैद, शांताजी पुगलिया, सूरजजी बरड़िया, प्रियंकाजी तातेड़, परामर्शक विजयाजी मालू, विमलाजी नाहटा, उपाध्यक्ष पुष्पाजी बैद, सुनीताजी जैन, निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कल्पनाजी बैद, सहमंत्री विजयलक्ष्मीजी भूरा, रंजुजी लुणिया, कोषाध्यक्ष सरिताजी डागा, प्रचार-प्रसार मंत्री प्रभाजी घोड़ावत एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति की 50 से अधिक बहनों की विशेष उपस्थिति रही। अ.भा.ते.म.मं. द्वारा दिल्ली महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बोकाड़िया एवं मंत्री श्रीमती सरोज सिपानी को मोमेंटो द्वारा सम्मानित कर आयोजन हेतु बधाई दी गयी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीतू पटावरी एवं श्रीमती संस्कृति भंडारी ने किया। कार्यक्रम में लगभग 1000 से अधिक भाई-बहनों की उपस्थिति रही।

राजधानी दिल्ली में वर्ष 2017-2019 राष्ट्रीय कार्यसमिति की चतुर्थ बैठक सम्पन्न

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की वर्ष 2017-19 की चतुर्थ ट्रस्ट बोर्ड मीटिंग प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी एवं कार्यसमिति की मीटिंग राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में दिल्ली में रिजेन्ट ग्रांट होटल में सानंद सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम सभी ने संस्था को स्वच्छ भारत योजना के अंतर्गत अवार्ड मिलने पर बधाई प्रेषित की। तत्पश्चात मीटिंग में पूर्व निर्धारित एजेंडा के सभी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किये गये। पूर्व में किये कार्यों की समीक्षा की गयी। मीटिंग के आयोजन की व्यवस्था में पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी, उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जैन, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, रा.का.स. श्रीमती मंजु भूतोड़िया, श्रीमती नीतू पटावरी एवं श्रीमती सुमन लूणिया का विशेष सहयोग रहा। संरक्षिका श्रीमती सुशीला पटावरी ने राष्ट्रीय टीम को स्नेहिल संपोषण दिया। दिल्ली महिला मंडल ने उदारता का परिचय देते हुए आतिथ्य व सत्कार की पूर्ण जिम्मेदारी वहन की। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तहेदिल से दिल्ली महिला मंडल के प्रति आभार ज्ञापित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अ.भा.ते.म.मं. द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस

दिल्ली - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की चतुर्थ कार्यकारिणी बैठक के पश्चात् दिल्ली शहर के प्रमुख अखबार एवं टी.वी. चैनल्स के संवाददाताओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रीय टीम द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा की जानकारी देते हुए उनके द्वारा दिये जाने वाले अहिंसा के संदेशों की मीडिया को जानकारी दी। प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी,

महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, संरक्षिका श्रीमती तारादेवी सुराणा, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, श्रीमती सौभाग बैद, श्रीमती शांता पुगलिया, श्रीमती सूरज बरड़िया, श्रीमती प्रियंका तातेड़, परामर्शक श्रीमती विमला नाहटा, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती सुनिता जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं श्रीमती रंजु लुणिया, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत एवं अन्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने संवाददाताओं को संस्था की योजनाओं की जानकारी देते हुए देश व समाज के विकास हेतु संस्था द्वारा किये गये कार्यों का विस्तृत विवरण दिया। साथ ही भविष्य में महिला सशक्तिकरण एवं कन्याओं के लिए संस्था द्वारा किये जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी। संवाददाताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का भी सदस्यों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को प्रिन्ट/इलेक्ट्रिक एवं सोशल मीडिया में अच्छी कवरेज मिली। साथ ही दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रकाशित अखबारों में भी अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की योजनाओं, कार्यों और स्वच्छ भारत के निर्माण हेतु योगदान की जानकारी को विशेष कवरेज दिया गया। इस कॉन्फ्रेंस के आयोजन में पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा एवं रा.का.स. श्रीमती नीतू पटावरी का विशेष सहयोग रहा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित शिखर सम्मेलन

जयपुर शहर – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित शिखर सम्मेलन का आयोजन शासन स्तंभ श्रद्धेय मुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी एवं ज्ञानशाला आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री उदित कुमारजी के सान्निध्य में अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा अणुविभा सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, आदर्श नगर विधायक श्री रफीक खान, कांग्रेस मिडिया प्रवक्ता श्रीमती अर्चना शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती ज्योति खण्डेलवाल की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। मंत्री मुनि प्रवर ने विशेष कृपा करते हुए इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण पर प्रेरणास्पद पाथेय प्रदान किया। समाज के संतुलित विकास हेतु दोनों अंग अगर संतुलित रूप में विकास करे तो देश व समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेंगे। महिलाएँ आचरणगत, व्यवहारगत संयम व साधना की जो उच्चता है उसे और आगे बढ़ाये। अपने नैसर्गिक गुणों की रक्षा करते हुए शक्ति का नियोजन कर विकास पथ पर अग्रसर होती रहे। गुरु इंगित की आराधना करते हुए सन्मार्ग पर आगे बढ़ती रहे। असाधारण साध्वीप्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वाचन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने किया। मुनिश्री उदितकुमारजी ने महिलाओं को भीतर व बाहर से सशक्त बनने का पाथेय प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया, आर्च एकेडमी से अर्चनाजी सुराणा, महारानी कॉलेज की पूर्व प्राचार्य विद्या जैन, आईएएस आफिसर आर.के.जैन आदि प्रबुद्ध व गणमान्य व्यक्तियों ने पैनल डिस्कशन के माध्यम से ''सशक्त नारियाँ देश की तकदीर, बदल देंगी कल की तस्वीर'' विषय पर रोचक तरीके से चर्चा-परिचर्चा की। पैनल का संचालन श्रीमती संस्कृति जैन ने किया। शिखर वार्ता में श्रीमती मंजु शर्मा (M.D. Iternal Hospital) डॉ. टीना सवटानी, वेस्टर्न रेल्वे DFO निष्ठापुरी, श्रीमती अनिला कोठारी, श्रीमती नलिनी कठोतिया, श्रीमती शशि किरण आदि प्रबुद्ध महिलाओं ने भी भाग लेकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। नववधुओं द्वारा प्रेरणागीत पर सुंदर प्रस्तुति दी गयी। मंत्री श्रीमती शंकुतला चौरड़िया ने सभी का तहदिल से आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, श्रीमती सौभाग बैद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं रा.का.स. श्रीमती विमला दुगड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बहुमुखी प्रतिभा की धनी अर्चनाजी सुराणा को प्रेरणा पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया।

उदयपुर – महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री धर्मेश कुमारजी के सहवर्ती संत मुनिश्री यशवंत कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल उदयपुर ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर निर्देशित शिखर वार्ता का आयोजन किया। अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि महिलाएं अगर एक दूसरे का हाथ थाम ले तो सशक्तिकरण निश्चित ही है। हमें अपनी योग्यताओं का विकास करना चाहिए। देश व समाज के विकास में और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मुनिश्री

यशवंतकुमारजी ने पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान हमेशा पुरुष से उच्च माना गया है। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि महिला दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम कोई भी कार्य को अंजाम तक पहुँचा पाये। स्वयं की कमजोरी को पहचाने और उस दिशा में सशक्तिकरण करे। होम साइंस कॉलेज लेक्चरर गायत्रीजी तिवारी ने भी महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किये। सम्मेलन में मुख्य अतिथि देवस्थान विभाग से आयुक्त विनिताजी बोहरा, मुख्य वक्ता विजयलक्ष्मीजी गिलुण्डिया, प्रोफेसर कंचनजी सोनी ने भी विषय पर अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी कोठारी ने सभी का स्वागत किया तथा उदयपुर से **30 महिला संगठनों** ने इस सम्मेलन में भाग लिया यह जानकारी दी। स्थानीय सहमंत्री श्रीमती सीमा पोरवाल ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी का महिला दिवस के प्रेरक संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम में स्थानीय सभा अध्यक्ष श्री सूर्यप्रकाशजी मेहता, तेयुप अध्यक्ष श्री विनोदजी चंडालिया, श्री प्रकाशजी सुराणा, श्री पीयूषजी जारोली आदि पदाधिकारियों ने भी शिरकत कर महिला समाज का उत्साहवर्धन किया। समारोह में श्रीमती सुशीला बरड़िया को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। अच्छी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति ने शिखर वार्ता सम्मेलन को सफल बनाया।

आँचलिक कार्यशालाएँ

हिसार – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल हिसार द्वारा महातपस्वी आचार्य महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिश्री कुलदीप कुमारजी के सान्निध्य में हरियाणा स्तरीय कार्यशाला **''परमार्थ की महानिधि''** का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने की एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की विशेष गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यशाला में राष्ट्रीय हरियाणा प्रभारी श्रीमती सुमन लुणिया एवं पंजाब प्रभारी श्रीमती उषा जैन की भी विशेष उपस्थिति रही। हिसार महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुमन जैन ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं लगभग 18 क्षेत्रों से समागत बहनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। बहिनों ने स्वागत गितिका का संगान किया। मुनिश्री कुलदीप कुमारजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से अर्वाचीन काल तक जितनी भी शोध हुई है उसमें महिलाएं पुरुषों से अग्रणी है। ऊर्जा के स्त्रोत पुरुषों से अधिक महिलाओं में है। निःस्वार्थ भाव से कार्य करने के कारण ही उसे **''परमार्थ की महानिधि''** कहा जाता है। युवामुनि मुकुल कुमारजी ने भी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला समाज की सृजनहार है। निःस्वार्थ भाव से अहर्निश कार्य करने वाली महानिधि का नाम नारी है। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने भी नारी जाति के महत्व व महिला सशक्तिकरण पर प्रभावी विचार प्रस्तुत कर बहनों को संस्था की योजनाओं की जानकारी दी। बहनों को केन्द्र द्वारा निर्देशित कार्यो को संपादित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में ''अमृत कोष'' पुस्तक का विमोचन किया गया। कन्या मंडल ने भावपूर्ण गितिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में हिसार के सभी सभा संस्था के पदाधिकारियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्रीमती कौशल्या जैन एवं श्रीमती शशि जैन को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती नविता जैन ने किया। मंत्री श्रीमती कुसुम जैन ने आभार ज्ञापन किया। हरियाणा क्षेत्र के सिरसा, जींद, भिवानी, डबवाली, कालांवाली, तोषाम, आदमपुर, सिवानी, भट्टूमंडी, रोहतक, उचाना मंडी, नरवाना, धारसूल, टोहाना, उकलाना, जाखल आदि **लगभग 18 शाखा मंडलों** से समागत बहनों ने कार्यशाला को सफल बनाया। कार्यशाला के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया तथा रा.का.स. श्रीमती उषा जैन व श्रीमती सुमन लुणिया ने तोषाम में शासनश्री साध्वीश्री यशोधराजी एवं साध्वीवृंद के दर्शन किए तथा अलखपुरा में संथारा साधक विष्णु भगवानजी के दर्शन कर संकल्प के साथ उनकी साधना की अनुमोदना कर मंगल भावना की।

भीलवाड़ा – अ.भा.ते.म.मं. के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल भीलवाड़ा द्वारा आचार्यश्री महाश्रमणजी की आज्ञानुवर्ती सुशिष्या शासनश्री साध्वी कनकश्रीजी के सान्निध्य में भीलवाड़ा जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला **''अभिव्यक्ति - वक्त है जागने का''** का आयोजन किया गया। एम.जी. हॉस्पिटल में फिजियोथैरेपी सेन्टर के उद्घाटन के पश्चात बहनें एक विशाल रैली के रूप में हॉस्पिटल से तेरापंथ सभा भवन में पहुँची तत्पश्चात रैली कार्यशाला में परिवर्तित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़ एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया रही। नमस्कार महामंत्र एवं सुमधुर मंगलाचरण के पश्चात् स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला गोखरू ने भावों के पुष्पों से सभी का स्वागत एवं अभिनंदन

किया। साध्वीश्री निर्मलयशाजी एवं साध्वीश्री गंभीरप्रभाजी ने प्रेरक उद्‌बोधन में फरमाया कि स्त्री पुरुष जीवनरथ के दो पहिए है दोनों को संतुलन बनाये रखते हुए जीवन में लक्ष्य के प्रति अग्रसर होना चाहिए। असाधारण साध्वीप्रमुखाश्रीजी के प्रेरणा संदेश का वाचन श्रीमती उषा सिसोदिया ने किया। श्रीमती कुमुद कच्छारा ने विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहा कि पूज्य प्रवर का 2021 का चातुर्मास केवल भीलवाड़ा का नहीं संपूर्ण मेवाड़वासियों का है। अब वक्त है जागरण का – पूज्य प्रवर की अभ्यर्थना एवं भेंट हेतु आध्यात्मिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें। तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन, जैन स्कोलर, रास्ते की सेवा, उपासक श्रेणी, सुमंगल साधना आदि उपक्रमों से जुड़ने का संकल्प करें। आचार्य श्री तुलसी ने मेवाड़ की पावन धरा पर नया मोड़ का प्रारंभ कर महिलाओं पर जो विश्वास जता कर विशेष अनुग्रहित किया अब वक्त है हम महिला समाज अपनी अभिव्यक्ति से समाज को एक नई दिशा दें। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने संस्था संचालन विषय पर बहनों से विचारों का आदान प्रदान किया। ई–मीडिया प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने टॉक शो के माध्यम से राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बहनों की समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाल व महिला चेतना समिति अध्यक्ष श्रीमती तारा आहूवालिया, महिला थाना पुलिस निरीक्षक श्रीमती शिल्पा भादविया ने भी बहनों को संबोधित किया व महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किये। स्थानीय सभा अध्यक्ष श्री निर्मलजी गोखरू ने अपने वक्तव्य द्वारा महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में स्थानीय समाजसेवी महिला संगठनों एवं निकटवर्ती क्षेत्रों की महिला मंडल से लगभग 400 से अधिक बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पिथास महिला मंडल (नवगठित महिला मंडल) ने शपथ ग्रहण की। सभा मंत्री श्री अशोकजी सिंघवी, तेयुप अध्यक्ष, मंत्री, कन्यामंडल व अन्य सभा संस्था के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीमती सज्जन देवी हिरण को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सुंदर सूत्र संचालन मंत्री श्रीमती मैना कांठेड़ ने किया एवं आभार ज्ञापन श्रीमती सुमन लोढ़ा ने किया।

भावना

महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ दक्षिण भारत में अहिंसा यात्रा द्वारा जन–जन में नैतिकता का संदेश पहुँचाने के लिए अर्हनिश प्रयासरत है। इस यात्रा में अखिल भारतीय तेरापंथ मंहिला मंडल को भी पूज्य प्रवर के आशीर्वाद से व मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी की कृपा से कर्म निर्जरा के महनीय उपक्रम रास्ते की सेवा ''भावना'' से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। लगभग 4 माह की इस यात्रा में छोटे–छोटे क्षेत्रों की बहनों ने पहली बार इस उपक्रम से जुड़कर भीतर में अनंत आह्लाद की अनुभूति की व भविष्य में भी निरंतर इस क्रम से जुड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। सेवार्थी बहनों के विशेष सहयोग से अभातेममं का यह उपक्रम सुगम रूप से संचालित हो रहा है। जो भी शाखा मंडल व कार्यसमिति सदस्य अभी तक इस सेवा के क्रम से वंचित है उनसे विनम्र अनुरोध है इस महायज्ञ से जुड़कर गुरु सन्निधी का लाभ उठाये। शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ बहनों को भेजने का प्रयास करें। **मार्च माह में राष्ट्रीय कार्यसमिति से श्रीमती उषा जैन ने विशेषकर 18 दिन की सेवा की एवं श्रीमती सुनीता बोहरा, श्रीमती सरिता दुगड़ एवं श्रीमती रमन पटावरी ने भी इस क्रम से जुड़कर सेवा सन्निधि का लाभ उठाया।** नाम देने हेतु निम्न बहनों से सम्पर्क करें –

निदेशिका

श्रीमती शोभा दुगड़
+91 98313 00006

संयोजिका

श्रीमती कांता तातेड़
+91 98206 48887

श्रीमती लीना दुगड़
+91 98307 58882

सेवार्थी बहनों की सूची

नाम	क्षेत्र	नाम	क्षेत्र
शालिनी लुंकड़	सेलम	तारा बोहरा	हुबली
अर्पिता लोढ़ा	सिकन्दराबाद	प्रेम सुराणा	पूर्वांचल कोलकाता
मंजु दुगड़	सिकन्दराबाद	विनिता पटावरी	पूर्वांचल कोलकाता
संगीता सेठिया	हैदराबाद	रिद्धि पटावरी	पूर्वांचल कोलकाता
मंजु वेदमुथा	हुबली	शीला कोठारी	पूर्वांचल कोलकाता
मीरा वेदमुथा	हुबली	सज्जन संचेती	पूर्वांचल कोलकाता
सुशीला वेदमुथा	हुबली		

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अप्रैल 2019

सन्दर्भ ग्रंथ : महाप्रज्ञ प्रबोध – 76 से 90 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ 354 से 379 तक
(दिल्ली यात्रा से योजनाओं की भूमिका तक)

अ. शब्दों के अर्थ लिखें :–

1. नेव
2. गच्छाधार
3. गण–तांत विप्पमुक्को
4. लिगार
5. धक्के जाओ

ब. मेरा करो अंकों में समाधान

1. जयाचार्य का अग्रणी जीवन लगभग ..... वर्षों का रहा।
2. मुनि जीतमल जी आदि ..... साधुओं ने दिल्ली चातुर्मास किया।
3. 700 कोस अर्थात ..... कि.मी.।
4. भगवान महावीर के समय संघ व्यवस्था में ..... पद होते थे।
5. आचार्यश्री के साथ साध्वियों के चातुर्मास का क्रम वि.स. ..... से शुरू हुआ।

स. रिक्त स्थान की पूर्ति करें

1. किसी भी व्यक्ति को..... तथा .....उसके गुण व सामर्थ्य ही बना सकते हैं।
2. जैन धर्म में ..... शब्द का प्रयोग तीर्थंकरों, गणधरों व मेधावी आचार्यों के लिए हुआ है।
3. मुनि जीतमलजी द्वारा दीक्षित प्रथम मुनि.....।
4. प्रगति में सदैव ..... की प्रमुखता रहती आई है।
5. जयाचार्य एक ..... सम्पन्न आचार्य थे।
6. गली तो कोई ..... या ..... ही निकालता है।
7. मान्यताओं की सच्चाई का हल ..... की कसौटी पर कसकर ही निकाला जा सकता है।
8. प्रेक्षाध्यान के आविष्कार का मुख्य आधार ..... रहा है।
9. ..... का उद्देश्य है समग्र व्यक्तित्व की सरंचना।
10. मालव के अत्यन्त विश्वसनीय व अन्तरंग परिषद के श्रावक .....।

द. आचार्य श्री तुलसी के शब्दों में महाप्रज्ञ की विशेषताओं का उल्लेख करें।

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033–40620395
ई–मेल : *raman.patawari@gmail.com*

मार्च माह के प्रश्नों के उत्तर

अ. दिमागी कसरत

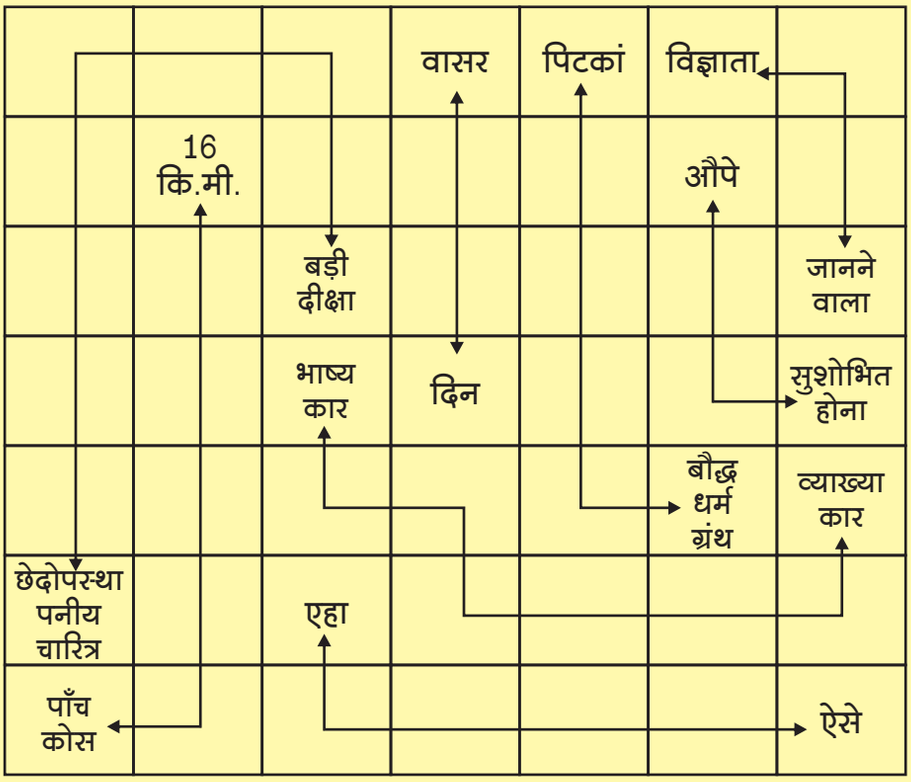

ब. हमारा रिश्ता बताइये :-

1. मामा - भांजा
2. भाई - भाई
3. ननद - भाभी
4. पिता - पुत्र
5. मित्र-मित्र या मित्रता का

स. मेरा उत्तर दीजिए :-

1. भगवती सूत्र
2. मुनि रायचंदजी व मुनि हेमराज जी
3. ऋषभायण
4. कांचन, कामिनी
5. गम्भीर तत्व ज्ञान व व्यवहार ज्ञान
6. 25 बोल, 13 द्वार, चर्चा आदि थोकड़े
7. मुनि स्वरूपचंदजी
8. अटल बिहारी वाजपेयी
9. हेम भगवती
10. 12 वर्षों तक

जनवरी माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेता

1. सुमन चौपड़ा, लूनकरणसर
2. सुश्री कमला जैन, लाडनूं
3. सरिता राखेचा, उत्तर हावड़ा
4. सरोज पुगलिया, कटक
5. रेखा भंडारी, बालोतरा
6. प्रियंका भंसाली, जसोल
7. चंदा डूंगरवाल, ईरोड़
8. रेखा दूगड़, श्री डूंगरगढ़
9. प्रांजल धाकड़, मुम्बई
10. विजयश्री गंग, सिलचर

कुल प्रविष्टियां 1064 में से सर्वाधिक प्रविष्टियां बालोतरा से 125 व अहमदाबाद से 97 प्राप्त हुई।

महातपस्वी परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अभातेममं के तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित 44 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

- दिनांक 16, 17, 18 सितम्बर 2019 (सोमवार, मंगलवार, बुधवार)

अभातेममं को मिलने वाला अनुदान

1,00,000	दिल्ली महिला मंडल द्वारा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में भावना सेवा हेतु ।
1,00,000	श्रीमान तरूण एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया (सेलम) द्वारा सुपुत्री तन्वी संग दीपम के विवाह उपलक्ष में सप्रेम भेंट ।
51,000	श्रीमती संतोषदेवी सुरेन्द्र जी चोरड़िया (चाड़वास - कोलकाता) द्वारा भावना सेवा हेतु ।
51,000	टोलीगंज महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु ।
51,000	साउथ कोलकाता महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु ।
51,000	पूर्वांचल महिला मंडल, कोलकाता द्वारा भावना सेवा हेतु ।
51,000	प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर उमराव सिंहजी बैंगानी (दिल्ली) द्वारा दोहित्र चि. समकित संग देविका के विवाह उपलक्ष में भावना सेवा हेतु ।
51,000	जयपुर (शहर) महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु ।
51,000	शासनसेवी पन्नालालजी बैद एवं राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद (जयपुर) द्वारा पौत्री आयुषी के विवाह उपलक्ष में भावना सेवा हेतु ।
51,000	वापी महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु ।
21,000	श्रीमती मंजु बाबूलालजी भुतोड़िया (दिल्ली) द्वारा पौत्र जन्म के उपलक्ष में भावना सेवा हेतु ।
21,000	श्रीमान संतोष जी वीणा जी बैद (सुजानगढ़-बैंगलुरू) द्वारा पुत्र मयूख के विवाह उपलक्ष में सप्रेम भेंट ।
11,000	श्रीमान विजयसिंहजी गधैया की पुण्यस्मृति में श्रीमती कंचन देवी, संजय, अजय गधैया (राजगढ़-दलखोला) द्वारा भावना सेवा हेतु ।
5,100	श्रीमती कमला देवी, राजेश जी, शोभाजी कुंडलिया द्वारा भावना सेवा हेतु ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

गोवा राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा द्वारा ''स्वच्छ भारत अभियान'' के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अ.भा.ते.म.मं. को अवार्ड

दिल्ली – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को गोवा राज्यपाल माननीय डॉ. मृदुला सिन्हा द्वारा स्वच्छ भारत योजना का **Brand Ambassador** नियुक्त किया गया। इस योजना के तहत संस्था द्वारा किए कार्यों का मूल्यांकन कर दिल्ली के आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में संस्था को सम्मानित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत पूरे देशभर में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा किये गये कार्यों की सराहना करते हुए डॉ. मृदुला सिन्हा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया को यह अवार्ड ससम्मान दिया। रा. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने सभी को इस योजना के अंतर्गत हुए कार्य निर्माण – एक कदम स्वच्छता की ओर, शौचालय निर्माण, जागरूकता फैलाने हेतु स्वच्छ भारत गीत का रेल्वे स्टेशन पर प्रसारण, प्लास्टिक फ्री वीक, Eco Friendly Diwali इत्यादि कार्यों की जानकारी देते हुए डॉ. मृदुला सिन्हा के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर, राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती पूजा कपिल मिश्रा, साध्वी प्राची, महासभा के मुख्य ट्रस्टी श्री के. एल. पटावरी आदि गणमान्य व्यक्तियों के साथ राष्ट्रीय ट्रस्टी, परामर्शक एवं कार्यसमिति सदस्यों की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा का विशेष सहयोग रहा। दिल्ली महिला मंडल के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के दौरान आयोज्य इस कार्यक्रम में दिल्ली महिला मंडल की बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

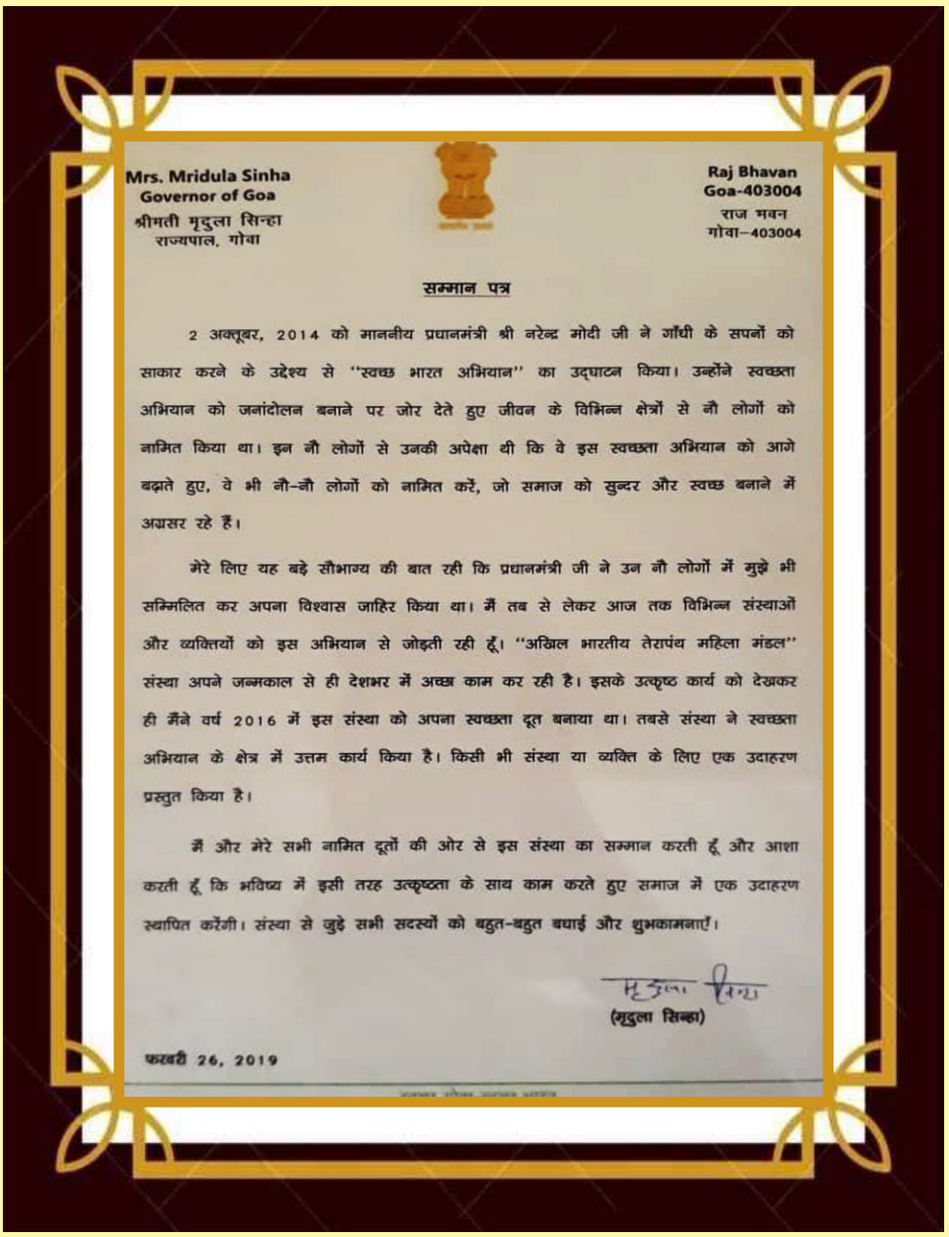

Mrs. Mridula Sinha
Governor of Goa
श्रीमती मृदुला सिन्हा
राज्यपाल, गोवा

Raj Bhavan
Goa-403004
राज भवन
गोवा–403004

सम्मान पत्र

2 अक्तूबर, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गाँधी के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से ''स्वच्छ भारत अभियान'' का उद्घाटन किया। उन्होंने स्वच्छता अभियान को जनांदोलन बनाने पर जोर देते हुए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से नौ लोगों को नामित किया था। इन नौ लोगों से उनकी अपेक्षा थी कि वे इस स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाते हुए, वे भी नौ–नौ लोगों को नामित करें, जो समाज को सुन्दर और स्वच्छ बनाने में अग्रसर रहे हैं।

मेरे लिए यह बड़े सौभाग्य की बात रही कि प्रधानमंत्री जी ने उन नौ लोगों में मुझे भी सम्मिलित कर अपना विश्वास जाहिर किया था। मैं तब से लेकर आज तक विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों को इस अभियान से जोड़ती रही हूँ। ''अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल'' संस्था अपने जन्मकाल से ही देशभर में अच्छा काम कर रही है। इसके उत्कृष्ट कार्य को देखकर ही मैंने वर्ष 2016 में इस संस्था को अपना स्वच्छता दूत बनाया था। तबसे संस्था ने स्वच्छता अभियान के क्षेत्र में उत्तम कार्य किया है। किसी भी संस्था या व्यक्ति के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मैं और मेरे सभी नामित दूतों की ओर से इस संस्था का सम्मान करती हूँ और आशा करती हूँ कि भविष्य में इसी तरह उत्कृष्टता के साथ काम करते हुए समाज में एक उदाहरण स्थापित करेंगी। संस्था से जुड़े सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ।

(मृदुला सिन्हा)

फरवरी 26, 2019